मप्र जनजातीय संग्रहालय में नृत्य, गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि का आयोजन

गेड़ी और गणगौर नृत्य ने दर्शकों का मनमोहा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि 'संभावना' का आयोजन किया गया है, जिसमें 13 सितंबर, 2026 को विजय कुमार मर्सकोले एवं साथी, छिंदवाड़ा द्वारा गोण्ड जनजातीय गेड़ी नृत्य, मीशा शर्मा एवं साथी, हरदा द्वारा गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। वहीं सायं गतिविधि में मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के लिए जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा तैयार अहल्या लीला-नाट्य का मंचन हुआ।

लीला नाट्य निलेश्वर मिश्रा, पटना द्वारा निर्देशित, संगीत सीताराम सिंह, पटना एवं आलेख योगेश त्रिपाठी, रीवा और प्रकाश परिकल्पना अतुल मिश्रा, नई दिल्ली द्वारा की गई है। गतिविधि में कलाकारों का स्वागत निदेशक, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी, डॉ. धर्मेंद्र पारे द्वारा किया गया। भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में प्रतिष्ठित पंचकन्याओं के जीवन, संघर्ष, त्याग, साहस और आदर्शों पर आधारित विशेष प्रस्तुतियों की श्रृंखला तैयार की जा रही है। भारतीय मनीषा में पंचकन्याओं का स्मरण केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि नारी के अदम्य साहस, धैर्य, त्याग, आत्मबल और जीवन-संघर्ष की स्मृति है। इसी परंपरा की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी हैं- अहल्या लीला-नाट्य।

अहल्या लीला-नाट्य कथासारः भारतीय पौराणिक परंपरा में अहल्या का नाम पंचकन्याओं में लिया जाता है। वे महर्षि गौतम की पत्नी थीं और अपने सौंदर्य, तप तथा विद्वत्ता के लिए प्रसिद्ध थीं। एक दिन अहल्या से प्रभावित हो कर देवराज इंद्र महर्षि गौतम का रूप धारण कर अहल्या के आश्रम में प्रवेश करते हैं। महर्षि गौतम को जब इस घटना का पता चला, तो उन्होंने इंद्र को श्राप दिया और अहल्या को भी श्रापित किया।

श्राप के कारण अहल्या को लंबे समय तक एकांत और प्रतीक्षा का जीवन जीना पड़ा। उन्हें श्राप दिया कि तुम अदृश्य रहते हुए और वायु का सेवन कर श्रीराम नाम जपती रहोगी। जब तक प्रभु श्रीराम तुम्हें नहीं तारेंगे। तुम शिला बनकर रहोगी लेकिन एक दिन जब भगवान श्रीराम महर्षि विश्वामित्र के साथ उनके आश्रम पहुँचे, तब श्रीराम के चरण-स्पर्श से अहल्या का उद्धार हुआ। वे पुनः अपने मानवीय स्वरूप में लौटीं और महर्षि गौतम से उनका मिलन हुआ।

अहल्या की कथा केवल श्राप और उद्धार की कथा नहीं है, बल्कि यह नारी की गरिमा, सामाजिक दृष्टि, न्याय, करुणा और मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण प्रश्नों को भी सामने लाती है। पंचकन्याओं में अहल्या का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य के जीवन में परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, आत्मबोध और करुणा के माध्यम से पुनर्स्थापन का मार्ग संभव है। 1 घंटे 17 मिनट की इस प्रस्तुति में 50 से अधिक कलाकारों ने सहभागिता की एवं इस लीला-नाट्य में 10 से अधिक दृश्य रहे।

संग्रहालय में हर रविवार को दोपहर 2 बजे से आयोजित होने वाली इस गतिविधि में मध्यप्रदेश के पांच लोकांचलों एवं सात प्रमुख जनजातियों की बहुविध कला परंपराओं की प्रस्तुति के साथ ही देश के अन्य राज्यों के कलारूपों को देखने समझने का अवसर भी जनसामान्य को प्राप्त होगा।

फसलों की लागत का अध्ययन करेगा नया सॉफ्टवेयर

45 जिलों के प्रक्षेत्र निरीक्षक और विस्तार अधिकारी प्रशिक्षण में शामिल

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में फसलों की लागत का अध्ययन करने के लिए फार्म ऐप 3.0 पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. अल्पना सिंह की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. पीके मिश्रा रहे।

कुलपति डॉ. मिश्रा ने कहा कि नवीनतम सॉफ्टवेयर किसानों की फसलों से जुड़ी विभिन्न प्रकार की जानकारियां एकत्र करने में कारगर साबित होगा। उन्होंने भारत सरकार द्वारा 1971 से शुरू की गई परियोजना में समय के साथ हुए विभिन्न परिवर्तनों को लेकर अपने अनुभव और महत्वपूर्ण सुझाव प्रशिक्षणार्थियों के साथ साझा किए।

डॉ. अल्पना सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण महत्वपूर्ण है। सॉफ्टवेयर के माध्यम से फसलों से जुड़ी सटीक और विश्वसनीय जानकारी एकत्र करने में प्रक्षेत्र विस्तार अधिकारियों को लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. अखिलेश तिवारी ने सुझाव दिया कि भविष्य में कुछ उद्यानिकी फसलों को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाए, जिससे किसानों को उनका उचित मूल्य प्राप्त हो सके।

कृषि अर्थशास्त्र एवं प्रक्षेत्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक राठी ने बताया कि किसानों से जुड़ी विभिन्न जानकारियां, उत्पादन से लेकर विपणन तक तथा पशुधन संबंधी विवरण एकत्र करने के लिए इस सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जा रहा है।

डॉ. गौरव कुमार वाणी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कहा कि परियोजना से 540 किसान जुड़ चुके हैं। इसमें 15 से बढ़ाकर अब 18 फसलों का आंकड़ा एकत्र किया जा रहा है। प्रशिक्षण में आंकड़े भरने और उन्हें संबंधित एजेंसी तक शीघ्र पहुंचाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के 45 जिलों से प्रक्षेत्र निरीक्षक, प्रक्षेत्र विस्तार अधिकारी और पर्यवेक्षक शामिल हुए। संचालन डॉ. रोशनी तिवारी और आभार प्रदर्शन डॉ. गौरव वाणी ने किया।

श्रमिक शिविर के बच्चों ने मिट्टी से गढ़े पर्यावरण हितैषी गणेश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः बालसखीवन फाउंडेशन ने श्रमिक शिविर में रहने वाले बच्चों के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की। इसमें बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से पर्यावरण हितैषी गणेश प्रतिमाएं बनाईं। कार्यशाला की शुरुआत बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और एकाग्रता बढ़ाने के लिए ध्यान सत्र से हुई। संस्था के स्वयंसेवकों ने बच्चों को ध्यान का अभ्यास कराया।

इसके बाद मूर्तिकला सत्र में बच्चों ने अपने हाथों से मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं। संस्था की अध्यक्ष सृष्टि रघुवंशी ने बताया कि गतिविधि का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना और उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है, ताकि वे त्योहार प्रकृति के अनुकूल मनाना सीखें। बालसखीवन फाउंडेशन श्रमिक बस्तियों और शिविरों में रहने वाले बच्चों को निश्शुल्क शिक्षा भी प्रदान कर रहा है।

मानव संग्रहालय में शुरू होगा म्यूजियोलॉजी डिप्लोमा का आठवां बैच

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के संयुक्त तत्वावधान में संचालित एकवर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा इन म्यूजियोलॉजी के शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ 15 सितंबर से होगा। यह इस रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम का आठवां बैच है। इसमें विभिन्न राज्यों के 17 विद्यार्थी शामिल होंगे। 15 सितंबर को सम्मेलन कक्ष में उद्घाटन के बाद चार दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम शुरू होगा। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, छात्रावास और शोध संभावनाओं की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ कुम्हार पारा, पारंपरिक प्रौद्योगिकी पार्क, जनजातीय आवास, हिमालयी गांव, मिथकीय पथ, नदी घाटी सभ्यता और शैल कला विरासत जैसी खुली प्रदर्शनियों का भ्रमण कराया जाएगा। विद्यार्थी संरक्षण प्रयोगशाला, पुस्तकालय, कंप्यूटर सुविधाओं और अंतरंग भवन वीथी संकुल से भी परिचित होंगे।

गरबा पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित करने की अपील

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः नवरात्रि से पहले हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच ने गरबा आयोजकों से पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर नियमित पूजा-अर्चना करने की अपील की है।

समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि जहां भी गरबा आयोजित हो रहा है, वहां मां दुर्गा की प्रतिमा व्यवस्थित रूप से स्थापित की जाए।

सुबह-शाम आरती के बाद धार्मिक गीतों और भजनों पर गरबा कराया जाए। उन्होंने गरबा पंडाल के प्रवेश द्वार पर भगवान विष्णु के वराह अवतार की प्रतिमा स्थापित करने और प्रवेश से पहले वराह भगवान का पूजन कराने की बात कही। उन्होंने पंचगव्य ग्रहण कराने की भी अपील की। उनके अनुसार पंचगव्य में गाय का दूध, दही, घी, गोबर और गोमूत्र शामिल होते हैं। तिवारी ने आयोजकों से गरबा आयोजन को पारंपरिक स्वरूप में रखने और किसी भी प्रकार की अश्लीलता नहीं होने देने की अपील की।

हिंदू उत्सव समिति ने सुबह-शाम आरती और पारंपरिक स्वरूप में आयोजन की कही बात

उन्होंने कहा कि गरबा मां की आराधना का पर्व है। आयोजकों को दुर्गा प्रतिमा की स्थापना और धार्मिक स्वरूप में आयोजन सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इन बातों का ध्यान नहीं रखा गया तो समिति कार्रवाई के लिए बाध्य होगी।

हिंदी पखवाड़ा कल से प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का होगा आयोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में 15 से 30 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा 2026 का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न रचनात्मक प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा।

संग्रहालय के निदेशक प्रो. डॉ. अमिताभ पांडे ने बताया कि संग्रहालय देश की समृद्ध सांस्कृतिक और नृजातीय धरोहरों के संरक्षण के साथ राजभाषा हिंदी के प्रसार और संवर्धन के लिए भी प्रतिबद्ध जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने बताया कि हिंदी पखवाड़े का उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाना तथा कार्यालय के प्रत्येक पटल पर राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। प्रभारी हिंदी अधिकारी राजेंद्र झारिया ने बताया कि राजभाषा अनुभाग के संयोजन में होने वाले आयोजन के माध्यम से संग्रहालय के दैनिक कामकाज में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग और निर्धारित राजभाषा लक्ष्यों की पूर्ति पर जोर दिया जाएगा।

सूडोकु नवताल- 7900

सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7899 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

काकुरो पहेली - 7573

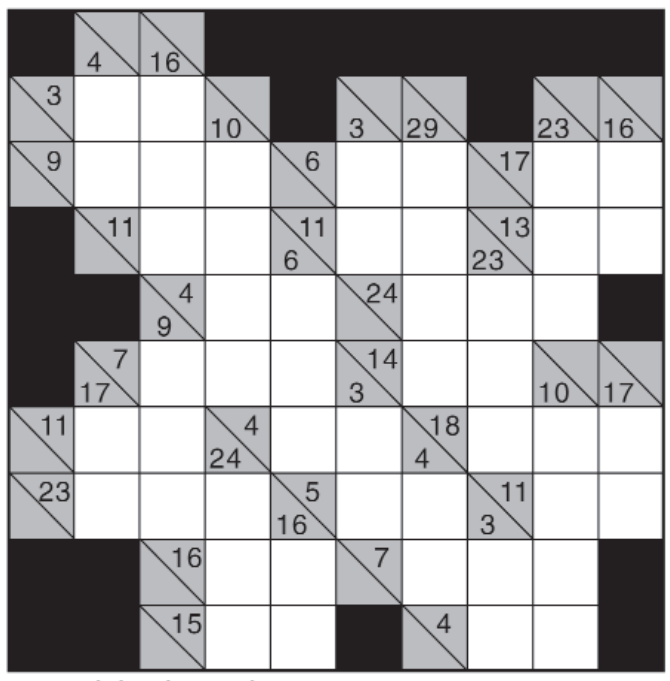

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

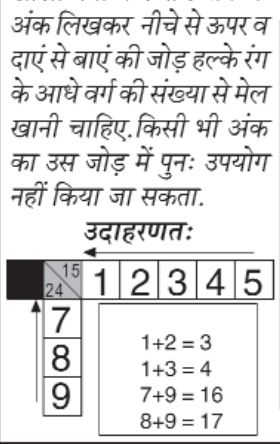

काकुरो - 7572 का हल

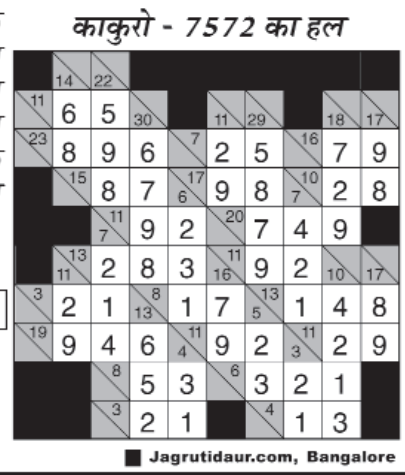

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8981

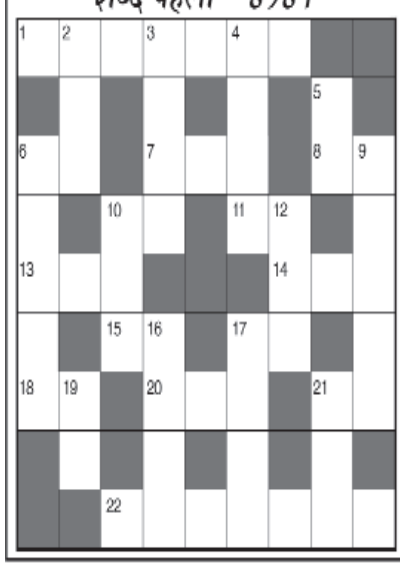

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8980 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7412

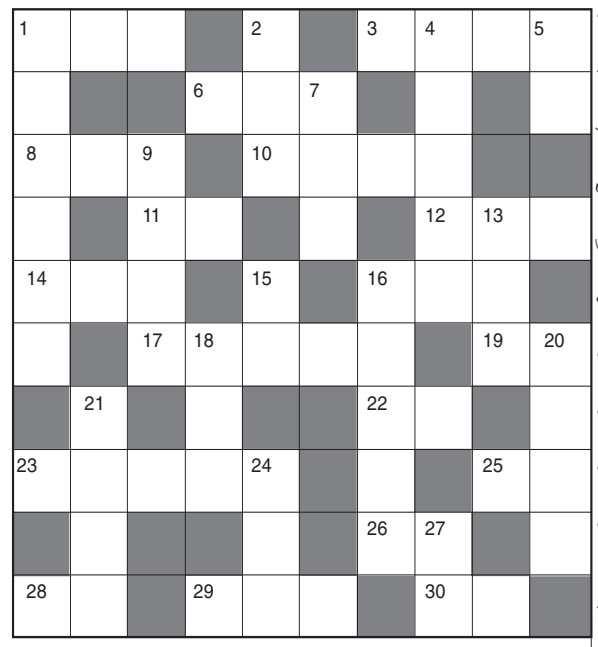

ऊपर से नीचेः-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7411

अ	नि	ता		रे	श	नी		धू	म
क्स		क	सौ	टी		ल	ज्जा		स्त
	अं	त		क	स	म		भा	
जो	श		कं	प	नी		आ	र	जू
रू		दि		ड़		जी	न	त	
का	ज	ल		औ	र	त			पा
गु		ज	रू	र	त		पा	ल	की
ला	ड़	ला		म	न		य		जा
म			श	का		जा	ल		
	फ	र	दी	न	खा	न		फि	दा

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 7506

1	6		4		7	
	30	3	21		35	
7	5			4	2	6
	33	6	39		31	
4			7	6	1	
	33	4	42		26	1
3	1		6		5	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 7505 का हल

1	6	5	4	3	7	2
5	42	7	33	1	23	3
7	5	6	3	4	2	1
2	32	3	38	7	32	6
4	3	2	7	6	1	5
6	24	1	33	5	35	4
3	1	4	6	2	5	7

शब्दजाल - 8526

मु	हु	मे	रि	दु	ला	रा	ल	च	ट	र्जी
का	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
ब	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	द	ह	प	ल
ला	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	ह	ला	कि	यो	प	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	य	र	ह	त्या	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	शि	का	री	टि	ल
बां	स	सा	ज	न	च	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल में 'गोविंदा' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मुकाबला, राजा बाबू, दुलारा, प्रेमशक्ति, दुल्हे राजा, साजन चले ससुराल, शिकारी, अलबेला, हत्या, राजाजी

शब्दजाल - 8525 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore